

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

लोकतंत्र में जनकल्याणकारी योजनाएं सरकारों की जिम्मेदारी हैं, लेकिन जब कल्याण और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली होने लगे तो उसका असर केवल सरकारी खजाने पर नहीं, बल्कि भविष्य की विकास यात्रा पर भी पड़ता है. भारतीय रिजर्व बैंक की ताजा स्टेट फाइनंस रिपोर्ट इसी गंभीर चुनौती की ओर ध्यान आकर्षित करती है.

रिपोर्ट के अनुसार राज्यों का सकल वित्तीय घाटा, जो वर्ष 2017 से 2024 तक सामान्यतः 3 प्रतिशत से नीचे रहा, चालू वित्त वर्ष में बढ़कर 3.3 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है. यह संकेत है कि कई राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को दांव पर लगा रहे हैं. पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न राज्यों ने प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण (कैश ट्रांसफर) आधारित योजनाओं का तेजी से विस्तार किया है. मध्यप्रदेश की लाडली बहना, झारखंड की मड़यां सम्मान और हरियाणा की लाडो लक्ष्मी जैसी योजनाओं ने लाखों परिवारों

रेवड़ियों की राजनीति और वित्तीय अनुशासन की चुनौती

को तत्काल राहत अवश्य दी है. गरीब और कमजोर वर्गों के लिए आर्थिक सहायता की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता. समस्या तब उत्पन्न होती है जब ऐसी योजनाएं स्थायी आर्थिक सुधारों के बजाय चुनावी प्रतिस्पर्धा का माध्यम बन जाती हैं और उनके लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था नहीं होती.

रिपोर्ट यह भी बताती है कि कई राज्यों का सार्वजनिक कर्ज लगातार बढ़ रहा है. पंजाब और हिमाचल प्रदेश में यह पहले ही सकल राज्य घरेलू उत्पाद के 40 प्रतिशत के आसपास पहुंच चुका है, जबकि राजस्थान भी इसी स्तर की ओर बढ़ रहा है. केरल का कर्ज भी चिंताजनक है. ऐसे हालात में ब्याज भुगतान और वेतन-पेंशन जैसे गैर-विकास व्यय का बोझ बढ़ता है, जिससे सड़क, सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और

जीडीपी में महिलाओं के अवैतनिक श्रम का सच



डॉ. ममता वर्मा

पीएचडी पब्लिक हेल्थ टाटा सामाजिक संस्थान मुंबई

आप सुबह से शाम तक ऑफिस का काम कर के अपने घर लौटते हैं और घर के दरवाजे पर एक बिल चप्सा करा हुआ पाते हैं जब आप आश्चर्य से बिल को पढ़ना शुरू करते हैं बिल का भुगतान बिंदु कुछ ऐसे होते हैं सबका खाना बड़ुाना ,गंदे घर को साफ़ रखना,सबके सैले कपड़े धोना ,साफ़ कपड़ों को वापस ज़माना, बच्चों को तैयार कर स्कूल भेजना ,बाज़ार से रोज़ का समान खरीद के लाना ,घर में आने वालो महमानों का चाय नाशता जुटाना,पालतू पशुओ का खयाल रखना ,घर के पौधों में पानी देना ,घर के बच्चों और वृद्धों को देखभाल करना और अनगिनत घर के काम खत्म करना साथ ही सामुदायिक जिम्मेदारी निभाना . इन तमाम घरेलू कामों का अंजान का देय बिल रुपए 2000/-है अर्थात् माहने भर के देय बिल होगा रुपये 60,000/- इस बिल पर फिलहाल कोई टैक्स नहीं लगाया है ,बिल के आखिरी में लिखा होता है अवैतनिक श्रम का बिल और हस्ताक्षर करता होती है घर की ग्रहणी.

यह अनोखा अवैतनिक श्रम का बिल और उसका भुगतान विवरण पढ़कर आप मुस्कराए ,और समझ जाते हैं कि ये घर की

हमें कानून और श्रम के नियमों को पालन भी करना है और करवाना होगा .समान कार्य के लिए समान वेतन की आवश्यकता है .श्रम में लिंग भेद को खत्म करना होगा .हमें जन जागरण की एक मुहिम चलानी होगी ताकि आम जानता पुरुषों को रसोई घर में खाना बनाते ,बच्चों की देखभाल करते हुए ,और घरेलू काम करते देख कर सहज महसूस करे . केयर इकॉनमी एक उपरता हुआ इन्वेस्टमेंट है जो किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत कर सकता है . घरेलू कार्य का उत्तरदायित्व हमारी सामुदायिक जवाबदेही है जैसे शरीर को स्वस्थ रखने में प्रत्येक अंग का योगदान होता हैं इसी तर्ज पर देखरेख में भी पुरुष महिलाओं लड़को और लड़कियों को भागीदारी करनी होगी . समानता विचार के साथ साथ व्यवहार में भी आनी चाहिए

ग्रहणी का मज़ाक़ है . हाँ, ये मजाक़ सदियों से पितृ सत्ता समाज की धरोहर है जिसमे घरेलू कार्य की कोई कीमत नहीं . यू एन वुमन संस्था के अनुसार संसार की महिलाएँ हर दिन 16 बिलियन घंटे अवैतनिक श्रम (घरेलू कार्य) करती है.यह जानते हुए भी की अगर घर का कार्य सही समय पर नहीं किया जाए तो आप बाहरी ऑफिस काम कुशलता से नहीं कर पाएंगे. समाज और देश की रफ़्तार थम जाएगी फिर भी घरेलू काम की कीमत आकलन की अवहेलना सदियों से हो रही है.

सन 1960 के बाद से कुछ फेमिनिस्ट इकोनॉमिस्ट ने माँग रखी कि अवैतनिक श्रम (अनपेड लेबर)को अर्थव्यवस्था का हिस्सा माना जाए और गृहणियों द्वार किए जाने वाले कृष्य अवैतनिक श्रम को आर्थिक तंत्र से पृथक ना रखा जाये . सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इकॉनमी की हालिया

रिपोर्ट 2019–2023 रिपोर्ट बताती है कि अवैतनिक श्रम करने का भार पुरुषों की तुलना में महिलाओं पर कई गुना अधिक होता है. घरेलू महिला हर दिन करीब सात घंटे अवैतनिक श्रम घर के काम करती है वही बेरोजगार पुरुष केवल चार घंटे ही गृह कार्य में लगते हैं . काम काजी महिलाएं घर के अवैतनिक श्रम और भारी पड़ता है ये महिलाएं औसत अपनी नौकरी पेशा के साथ साथ घर को अवैतनिक श्रम करने में 5.8 घंटे लगाती है वही नौकरीपेशा पुरुष घर कार्य करने 2.7 घंटे ही लगाते हैं.

भारत की अर्थव्यवस्था को थधार करने के लिए महिलाओं के श्रम योगदान 33.9 ब है इस आंकड़े में दूरस्थ गाँव की वो सारी महिलाएं शामिल नहीं है जो दिहाड़ी मजदूरी का काम करती हैं या निम्न स्तर के स्वयं व्यावसायिक को करती है. स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया की रिपोर्ट 2023 के अनुसार

भूमिका निभा सकती है. किंतु बिना वित्तीय अनुशासन के अंधाधुंध विस्तार भविष्य की पीढ़ियों पर कर्ज का बोझ बढ़ा देता है .आवश्यकता इस बात की है कि राज्य सरकारें लोक-लुभावन घोषणाओं और दीर्घकालिक विकास के बीच संतुलन स्थापित करें . नुनावी वादों का मूल्यांकन उनकी वित्तीय व्यवहार्यता के आधार पर भी होना चाहिए .साथ ही, कर संग्रह बढ़ाने, निवेश को प्रोत्साहित करने, गैर-जरूरी खर्चों पर नियंत्रण रखने और पूंजीगत निवेश को प्राथमिकता देने की नीति अपनानी होगी.

लोककल्याण किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का मूल दायित्व है, लेकिन उसका आधार मजबूत अर्थव्यवस्था ही हो सकती है . यदि आज वित्तीय अनुशासन की अनदेखी की गई तो कल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा,तीनों पर संकट गहरा सकता है. इसलिए राज्यों को अल्पकालिक राजनीतिक लाभ से ऊपर उठकर दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी .

मुफ्त का श्रम हमारी अर्थव्यवस्था में 22.7 लाख करोड़ रूपयों का योगदान करता है जो की हमारे देश के जी डी पी का लगभग 7.5 प्रतिशत हिस्सा है .

माँ के हाथ का खाना घर में मुफ्त है वही खाना किसी रेस्टोरेंट में कोई बावचीं पकायें तो महँगा हो जाता है .आइए जानते हैं की अवैतनिक श्रम के लिए जिम्मेदार कौन है? सर्वप्रथम महिलाएं स्वयं जिम्मेदार है ,जो काबिल होने के बावजूद चिड़िया बनकर सदा पिंजरे में सुरक्षित रहना पसंद करती हैं और ऐसे रहकर पितृ सत्ता के साथ अपनी उम्र गुज़र देती है. हाल ही में मैंने सोशल मीडिया पर एक रील देखी उसमें एक महिला दर्शकों से पूछती है की आप ऑफिस में कोई पी पी टी प्रेजेंटेशन बनाते हैं और आपका बॉस आपको कहेँ की आपने बहुत बढ़िया बनायी है इसके लिए आपको ढेर सारा धन्यवाद और आशीर्वाद तो क्या आप हर दिन इतनी ही अच्छी पी पी टी बनायेंगे? सिर्फ़ इसलिए क्या आपको उस पे के बदले में सराहना और आशीर्वाद मिले क्या आप नहीं चाहते की आपके काम का मूल्य हो? महिलाओं को उनके हर योगदान का मूल्य देना चाहिए चाहे वो घर में हो या ऑफिस में, पितृ सत्ता,सामाजिक परिवेश खोखले रीति रिवाज के चलते सब की देखभाल की जिम्मा स्त्री और पुरुष में बराबर नहीं बाँटा .पितृ सत्ता ने साजिश के तहत भावनात्मक तरीके से महिलाओं पे मुफ्त के श्रम को उत्तरदायित्व थोपा है .

मालवा- निमाड़ की डायरी

परमार की किरकिरी, लपेटे में मालवीय भी



संजय व्यास

मालवीय के साथ जुगलबंदी कर मोर्चे की जिला कार्यकारिणी घोषित की थी. इसमें जगह मिलने से वंचित असंतुष्ट नेताओं अपनी बात जब उपर तक पहुंचाई तो खुलासा हुआ कि कार्यकारिणी में शामिल नामों पर कोई औपचारिक स्वीकृति नहीं ली गई थी. कोई दिनेश परमार ने अपने संदेश में लिखा था कि ये नियुक्तियां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और मोर्चा प्रदेश नेतृत्व की सहमति से की गई हैं.

इस पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के साथ मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा गहरी नाराजगी जताई और तत्काल कार्यकारिणी रद्द करने के निर्देश दे दिए. सो भाजपा जिला अध्यक्ष ओम मालवीय ने प्रदेश नेतृत्व के निर्देशों का हवाला देते हुए भाजपा किसान मोर्चा की जिला कार्यकारिणी की घोषणा के महज छह घंटे बाद ही उसे भंग कर दिया. दोपहर घोषित की गई कार्यकारिणी शाम तक निरस्त होने से जिले के राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया. अगर-मालवा जिले में भारतीय जनता पार्टी की अंदरूनी राजनीति एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है.

आगर-मालवा के वरिष्ठ भाजपा नेता व भाजपा किसान मोर्चा आगर जिलाध्यक्ष पद की लगातार दूसरी पारी खेल रहे दिनेश परमार को पार्टी ने बड़ा झटका दिया है. हाल ही में उन्होंने भाजपा जिलाध्यक्ष ओम



भाजपा किसान मोर्चा की जिला कार्यकारिणी के गठन और फिर महज कुछ घंटों के भीतर उसके निरस्तीकरण ने संगठन के भीतर चल रही गुटबाजी और समन्वय की कमी को सार्वजनिक रूप से सामने ला दिया है. इस मामले से परमार की किरकिरी तो हुई ही लपेटे में ओम मालवीय भी आ गए.

कहीं गम, कहीं खुशी

भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष दिनेश परमार द्वारा नई जिला कार्यकारिणी की जारी सूची में 5 जिला उपाध्यक्ष, 2 जिला महामंत्री, 5 जिला मंत्री समेत कुल 27 पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई थी. व्हाट्सएप समूहों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नियुक्ति सूची व्यापक रूप से धड़ाधड़ साझा हो गई.

कार्यकारिणी की सूची वायरल होते ही नव-नियुक्त पदाधिकारियों को बधाइयां देने का सिलसिला शुरू हो गया था. रात तक सूची निरस्ती की सूचना पर जहां नव-नियुक्त पदाधिकारियों की खुशियां हवा हो गईं, वहीं सूची से खफा नेताओं के चेहरों पर विजयी मुस्कान नजर आने लगी.

उपेक्षा पर भड़के परिहार

सुसनेर से एकमात्र कांग्रेसी विधायक भैरु सिंह परिहार (बापू) से विगत दिनों क्षेत्र में प्रवास पर आए दिग्गज कांग्रेस नेता अजय सिंह राहुल द्वारा मिलने से इनकार कर देने से भड़के हुए हैं . वे शाजापुर आगर के दौरे पर थे . बापू ने जब उनसे मिलने की बात कही तो उन्होंने विधायकों से मिलने का उनका कोई कार्यक्रम न होने का कहकर इनकार कर दिया था ,जिले में कबीलों में बढी कांग्रेस का कार्यक्रम नलखेड़ा में आयोजित किया गया . लेकिन जिले के सुसनेर से एकमात्र कांग्रेसी विधायक भैरु सिंह को इस कार्यक्रम की सूचना नहीं दी गई, जिस पर भैरु सिंह ने पार्टी में गुटबाजी का आरोप लगाते हुए नेतावनी दे दी कि यदि ऐसा ही आलम रहा तो मैं पार्टी छोड़ दूंगा . यदि भविष्य में इस तरह की गुटबाजी या कोई कार्यक्रम हुआ या ‘अगर संगठन का कोई नेता बिना बताए मेरे क्षेत्र में आया तो उसको बड़इजती का सामना करना पड़ेगा . ‘ उनके विधानसभा क्षेत्र में बिना सूचना दिए ब्लॉक और नगर कार्यकारिणी की बैठक हो रही है, ऐसा ही चलता रहा तो कांग्रेस कहां मजबूत होगी .



सारी दुनिया में व्याप्त है रिश्वतखोरी

रिश्वतखोरी ऐसी विश्वव्यापी बीमारी है, जिसकी कोई दवा नजर नहीं आती . ग्लोबल ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका, यूरोप और एशिया में भ्रष्टाचार के मामले बढ़े हैं. नेता से लेकर प्रशासन भी इसमें लिप्त है. 26 एशियाई देशों में कर्प्शन के मामले में भारत 22 वें नंबर पर है .समाजसेवी अन्ना हजारे के आंदोलन से देश में भ्रष्टाचार विरोधी माहौल बनने की उम्मीद थी लेकिन कुछ विभाग आज भी रिश्वतखोरी के लिए बदनाम हैं जिनमें पॉइन्ट्यूडी, एक्साइज, पुलिस व आरटीओ का समावेश है . अधिकांश सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों की मानसिकता ऐसी बन गई है कि ऊपरी आमदनी और कमीशन के बिना काम ही नहीं करते . पकड़े जाते और निलंबित होने की भी उन्हें शर्म नहीं है . रिश्वत को दस्तूर मान लिया गया है . नेताओं का भ्रष्टाचार करोड़ों में होता है . चुनाव टिकट देने, पार्टियों को तोड़ने और दलबदल कराने के लिए मोटी रकम का खेल होता है . जांच एजेंसियों पर दबाव रहता है कि किस पर सख्ती करें और किस पर जांच धीमी कर दें . अंतरराष्ट्रीय सौदे में कमीशन को पे-ऑफ का नाम दिया



तो लोग रिश्वत देने के लिए मजबूर हो जाते हैं .

जाता है . ऐसे सौदे में दलाल अपनी भूमिका निभाते हैं . मीडिया की सुर्खियों में भ्रष्टाचार छाया रहता है, लेकिन बहुत ही कम मामलों में दोषी को सजा मिल पाती है . योजनाएं समय पर पूरी न करके उनको लटकाया जाता है ताकि लागत बढ़ जाए और पैसा खाने का मौका मिले . भ्रष्टाचार व्यक्ति की मानसिकता से जुड़ा है . मोटा वेतन-भत्ता पाने वाले भी रिश्वतखोरी करते हैं . उसे वह अपना अलिखित अधिकार समझते हैं . लालच व बेईमानी यदि किसी के चरित्र में हो तो उसका कौन सा इलाज है?

कानून में रिश्वत लेने वाले के समान रिश्वत देने वाला भी दोषी माना गया है लेकिन जब समय पर काम नहीं किया जाता, फाइल आगे नहीं बढ़ती और बार-बार चक्कर काटने की नौबत आती है

कभी था इस देश में ‘सास-मत’ अब एनडीए का प्रचंड बहुमत

पड़ोसी ने हमसे कहा, ‘निशानेबाज, ऐसा क्यों है कि बहुमत की बहुत चर्चा होती है, लेकिन ‘सासमत’ की नहीं? अखबार में समाचार है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार का बहुमत लगातार बढ़ता जा रहा है. संसद के बजट सत्र में एनडीए के 295 संसद सदस्य थे जो इस मानसून सत्र के समय बढ़कर 320 हो गए हैं. क्या यह मानसून की बारिश का असर है?’ हमने कहा, ‘मोदी-शाह का कमाल लोकतंत्र में धमाल मचा रहा है. जैसे तमाम नदियां समुद्र में जाकर मिल जाती हैं वैसे ही विपक्ष की अलग हो चुकी टूटी-बिखरी पार्टियां भी एनडीए में शामिल होती चली जा रही हैं.’

पड़ोसी ने कहा, ‘निशानेबाज, इस देश के घरों में सदियों तक सासू मां की हुकूमत चलती थी. ‘सौ दिन सास के’ नामक फिल्म भी बनी थी. हर मामले में सास का मत ही माना जाता था. बहू का मुंह ही नहीं खुलता था, इसलिए बहुमत का सवाल ही नहीं उठता था. सास शासन करती थी और बहू सहन करती थी. चाहें तो ललित पवार की पुरानी



फिल्में देख लीजिए कि उस जमाने में कैसी स्थिति थी. ‘ हमने कहा, ‘अब समय बदल गया है. परिवारों में बेटा-बहू अलग संसार बसाने लगे हैं. आज का वक्त बहू और बहुमत के साथ है. बहू जो चाहती है, वैसा होता है. हम तो यह राय देंगे कि एनडीए को बहुमत और बढ़ाना है तो केंद्र

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD12325

- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	4	5	6
7			8			
		9	10			
11					12	
13			14	15		
			16		17	18
19	20			21		22
	23			24		

बाएं से दाएं

1. मुद्रित करना 3. अतिथि 7. शर, बाण 8. शहर का रहने वाला, शहरी 9. तंत्र-मंत्र द्वारा किसी को वश में करना 11. सभा आदि में विधिपूर्वक स्वीकृति किया गया 12. शास्त्र में कोई मोहरा ऐसी जाह रखना जिससे दस्तूर मान लिया गया है. नेताओं का भ्रष्टाचार करोड़ों में होता है. चुनाव टिकट देने, पार्टियों को तोड़ने और दलबदल कराने के लिए मोटी रकम का खेल होता है . जांच एजेंसियों पर दबाव रहता है कि किस पर सख्ती करें और किस पर जांच धीमी कर दें . अंतरराष्ट्रीय सौदे में कमीशन को पे-ऑफ का नाम दिया

Solution 12324

क	ट	क		क	म	त	र
का		ह	र	द	म	वा	वी
त	च	क		म	ल्ल	द्र	
		श			पु	रा	ना
वि	झा		झ	का	र	ध	
दू	सां	झा		म	रू		
घ	भ	जा	नी	प	श्री		
क	स	र	त	ता	सौर		र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में भौतिक सुखों की प्राप्ति होगी, धार्मिक कार्यों में संलग्नता रहेगी. वर्ष के मध्य में आत्म विश्वास में वृद्धि होगी. नवीन योजनाओं में पूंजी निवेश होगा. वर्ष के अन्त में अत्याधिक व्यय से क्रोध में वृद्धि होगी. प्रियजनों के प्रति उदासीनता रहेगी. जायजाद के प्रति समस्याओं का समाधान होगा. विवादों से बचना चाहिये. मेष और वृश्चिक राशि के

मे़ष- कार्यक्षेत्र में चल रही उलझनें दूर होंगी. दिल की बातें अपनी से लाभ होगा. आर्थिक समस्या का हल होगा. किये गये प्रयास सार्थक होंगे. **वृषभ-** सहकर्मी आपके सीधेपन का लाभ उठाने का प्रयास करेंगे. पराक्रम में वृद्धि होगी. नये कार्यों के प्रति विशेष रूचि होगी. प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी. **तुला-** कानूनी मामलों में लापरवाही से नुकसान होगा. साझेदारी लाभकारी रहेगी. अनावश्यक कार्यों पर खर्च होगा. कामकाज में बाधाएँ आयेंगी. **वृश्चिक-** व्यापारिक सौदे लाभकारी रहेंगे. मामूली बात पर दोस्तों से विवाद की संभावना है. आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी.

सिंह- धार्मिक कार्यों में शामिल होने से खुशी मिलेगी. नये मित्र मिलेंगे. लाभ होगा. आर्थिक समस्या का हल होगा. किये गये प्रयास सार्थक होंगे. **कन्या-** सहकर्मी आपके सीधेपन का लाभ उठाने का प्रयास करेंगे. पराक्रम में वृद्धि होगी. नये कार्यों के प्रति विशेष रूचि होगी. प्रयासों में सफलता प्राप्त होगी. **तुला-** कानूनी मामलों में लापरवाही से नुकसान होगा. साझेदारी लाभकारी रहेगी. अनावश्यक कार्यों पर खर्च होगा. कामकाज में बाधाएँ आयेंगी. **वृश्चिक-** व्यापारिक सौदे लाभकारी रहेंगे. मामूली बात पर दोस्तों से विवाद की संभावना है. आर्थिक संसाधनों में वृद्धि होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य
आज जन्म लिया बालक दुबला पतला लंबे कद का पुर्तूला स्वाभाव का बुद्धिमान चतुर व्यवहार कुशल होगा. स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा. ज्वर अतिसार, निमोनिया, आदि से 5 वर्ष की आयु तक कुछ तकलीफ होगी.बाद में स्वस्थ रहेगा. यात्राप्रिय एवं मनोरंजन का शौक होगा.

धनु- विरोधियों के कारण काम करने में परेशानी होगी. जीवनसाथी का साथ खुशी देगा. राजकीय कार्यों में सफलता मिलेगी. सामाजिक कार्यों में सहयोग मिलेगा. **मकर-** महत्वपूर्ण मामलों में फैसला लेने से बचेंगे. अनहोनी का भय वृषभ बढ़ने से रोकेगा. स्वास्थ्य में सुधार होगा. नवीन योजनाओं का विकास होगा. **कुम्भ-** मेहनती के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ेगा. धार्मिक आयोजन सुखद रहेंगे. अनावश्यक विवादों को टालना चाहिये. **मीन-** भाग्योदय के अवसर मिलेंगे. निजी कार्यों को पूरा करने में सफलता मिलेगी. शारीरिक सुख शक्ति तथा पारिवारिक दृष्टि से समय अनुकूल रहेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

9	8	के.7 सु. चं. शु.	6 शु.	5
		10 श.	4	
11		1 रा.		मं. 3
	12 शु.		2	

पंचांग

पंचांग
रा.मि. 30 संवत् 2083 आषाढ शुक्ल सप्तमी भौमवासरे प्रातः 6/59, चित्रा नक्षत्रे रात 12/14, सिद्ध योगे रात 10/35, वणिज करणे सू.उ. 5/19, सु.अ. 6/41, चन्द्रचार कन्या दिन 11/41 से तुला, शु.रा. 7, 9,10,1,2,5 अ.रा. 8,11,12,3,4,6 शुभांक- 9,2,6.

व्यापार भविष्य
आषाढ शुक्ल सप्तमी को चित्रा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़ खांड, शक्कर सरसों, सोयाबीन, पायोलिन आदि में तेजी होगी. चना, अनाज, पर नरमी रहेगी. भाग्यांक 2697 है.

SUDOKU7457

6	9		7	4		8	
	8	5	6	2		4	9
7						6	3
	3	9	5			1	
1			8				5
	6			2	9	3	
4	7						2
8	2		5	9	1	7	
	1	2	3			5	8

७प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ७ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ७पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत स्र्दोके 7456

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9